ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्त्तन संस्थान,

1, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना–80001

प्रेस विज्ञप्ति

ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्त्तन संस्थान के 2011 सत्र के लिए (प्रोसपेक्टस) के लोकार्पण के अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष, डा० जगन्नाथ मिश्र का सम्बोधन।

पटना, 07 अप्रैल, 2011

बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में विकास की दृष्टि से बिहार राज्य को क्रियाशील बनाया है। उन्होंने विकास कार्य में नवीनता, नियोजन की नई संभावना और कुशलता लाने के उद्देश्य से ही इस संस्थान के संस्थापक होने के कारण उन्हें (डा० मिश्र को) यह जिम्मेवारी सौंपी है। उनकी इच्छा है कि यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर पर पुनः ख्याति प्राप्त कर सके। डा० मिश्र ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से कहा है कि 1990 से इस संस्थान के रख–रखाव तथा संचालन को सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया जिसके फलस्वरूप संस्थान की स्थिति में दिनानुदिन गिरावट आती गई है। अतः संस्थान के भवन, सभागार के रख–रखाव की आवश्यकता बताते हुए मानव संसाधन विकास विभाग एवं भवन निर्माण विभाग का ध्यान आकृष्ट किया है। संस्थान के प्रबंधन के लिए विस्तृत नियमावली की आवश्यकता है। विस्तृत नियमावली के अभाव में संस्थान के संचालन में कठिनाईयाँ होती रही हैं। इस संदर्भ में डा० मिश्र ने इस संस्थान का संचालन अनुग्रह नारायण सिन्हा समाज अध्ययन संस्थान, पटना के तर्ज पर करने की आवश्यकता बताते हुए इस संस्थान की नियमावली के लिए राज्य सरकार से उक्त नियमावली के आधार पर विस्तृत नियमावली निर्धारित करने की आवश्यकता बतलाई।

पिछले 20 वर्षों में इस संस्थान का सरकार द्वारा अधिग्रहण करने के बाद शिक्षण तथा शोध कार्यक्रमों में लगातार ह्रास हुआ है। कुप्रबंधन से संस्थान की उत्कृष्टता लगातार क्षीण होती गई है। भारत सरकार और बिहार सरकार से विभिन्न स्तरों के 35 प्रोफेसर, रीडर और व्याख्याता का पद स्वीकृत होने के बाद भी 1990 से लगातार 28 पद रिक्त रहा है। शासी निकाय ने निर्णय लिया है कि तत्काल सभी स्वीकृत रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन प्रकाशित कर अनुग्रह नारायण संस्थान की तर्ज पर नियुक्ति की जाए। जिसके फलस्वरूप शिक्षण कार्य बाधित है।

नये सत्र से निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है — **Post Graduate Level :** (1) MBA-Executive- meant for working people; (2) MBA- IB (International Business); (3) Master of Marketing Management- MMM; (4) Master of Financial Management. **Under Graduate Level :** (1) BBA- Bachelor of Business administration; (2) BCA- Bachelor of Computer Applications; and, (3) BSc (IT). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अधिनियम के अंतर्गत केन्द्रीय अनुदान प्राप्त करने के लिए इसी वर्ष मान्यता प्रदान की है।

विगत वर्षों में हमारे देश में प्रबंधन शिक्षा का पर्याप्त विस्तार हुआ है। इन वर्षों में प्रबंधन शिक्षा के द्रुत विकास के क्रम में प्रबंधन शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता और स्तरीयता का क्षरण हो रहा है जिस कारण से मानव संसाधन की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। गुणवत्ता, प्रभाव एवं प्रासंगिकता ऐसे महत्वपूर्ण तत्व हैं, जिनके माध्यम से समाज प्रबंधन शिक्षा की कामयाबी को मापता है। यू.जी.सी. के द्वारा आयोजित एक सर्वेक्षण से यह प्रकाश में आया है कि बिहार में लगभग सभी सूचकों पर यथा निकाय के स्तर, पुस्तकालयीय सुविधायें, संगणक (कम्प्यूटर) की उपलब्धता, शिक्षक–छात्र का अनुपात आदि– प्रबंधन शिक्षा को यथाशीघ्र समुन्नत करना अत्यावश्यक है। बाजार की प्रतियोगिता में सफल होने के लिये यह अनिवार्य है कि हमारी प्रबंधन शिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता का सम्वर्द्धन किया जाय। प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता सम्बर्द्धित करने हेतु किसी संस्थानों को वृहद् धनराशि की जरूरत होती है। प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता सम्बर्द्धित करने हेतु किसी विश्वविद्यालय एवं स्वायत्त संस्थानों को वृहद् धनराशि की जरूरत होती है। शैक्षिक और भौतिक आधारभूत संरचना यथा कक्षाओं और प्रयोगशालाओं, पुस्तक भंडार को अद्यतन करना, पुस्तकालय में पत्रिका, संदर्भ सामग्री और शिक्षकों–शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के वेतन–भुगतान आदि की गुणवत्ता संवर्द्धित करने हेतु हमें धनराशि की जरूरत है। बिहार सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग प्रबंधन एवं तकनीकी शिक्षा हासिल करें। इससे उनके लिए देश में ही नहीं विदेशों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

प्रबंधन शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के जरिये रोजगार क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रचुर संभावनाएं हैं। प्रबंधन एवं तकनीकी शिक्षा तंत्र में ज्यादा स्वायत्तता, स्वतंत्रता और लचीलेपन की जरूरत है। प्रबंधन शिक्षा सृजनात्मक, उपयोगी, असरदार और प्रासंगिक होनी चाहिए। वास्तव में, हमें जिन इंजीनियरों, प्रबंधक एवं तकनीकी प्रशिक्षित लोगों की दरकार है वह सभी विधाओं में है और हम अपनी आवश्यकतानुसार इंजीनियर, प्रबंधक एवं तकनीकी प्रशिक्षित लोग तैयार नहीं कर पा रहे हैं। चूंकि राज्य में समुचित सुविधाएं और संस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं, इसलिये बड़ी संख्या में प्रखर बुद्धि युवा विभिन्न विधाओं, विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी में, इंजीनियरी एवं प्रबंधन शिक्षा राज्य के बाहर में प्राप्त करते हैं। वे प्रमुखतः बंगलौर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जाते हैं और अधिकतर वापस न लौटकर अन्यत्र रोजगार ढूंढ लेते हैं। जहांतक प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निजी संस्थानों की बहुतायत की बात है, आवश्यक है कि उनके ऊपर पाठ्यक्रम स्तर और श्रेणीकरण पर सामान्य नियंत्रण हो। ऐसे नियंत्रण की प्रकृति के निर्धारण के लिये विशेष अध्ययन और उसके शीघ्र क्रियान्वयन की जरूरत है। प्रबंधन शिक्षा को रोजगारोन्मुख और रोजगारपरक बनाए जाने की जरूरत है। प्रबंधन शिक्षा को ज्यादा उपयोगी कौशल से युक्त और साथ ही साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने वाली प्रबंध शिक्षा बनाने के लिये रणनीति अपनाए जाने की जरूरत है। प्रबंधन शिक्षण प्रणाली में उद्यमशीलता के महत्व और प्रबंधन शिक्षा के स्तर से ही छात्रों को उद्यमों की स्थापना के प्रति उन्मुख करने पर जोर दिया जाना चाहिए जिससे उन्हें धन अर्जित करने के लिये क्रियाशीलता, स्वतंत्रता और सामर्थ्य प्राप्त हो।

(डा॰ जगन्नाथ मिश्र)

कार्यकारी अध्यक्ष

Lalit Narayan Mishra Institute of Economic Development And Social Change
1, Jawaharlal Nehru Marge, Patna- 800 001

√ Introducing following New Courses from next academic session commencing July, 2011 :-

Post Graduate Level :

(1) MBA- Executive- meant for working people;

(2) MBA- IB (International Business);

(3) Master of Marketing Management- MMM;

(4) Master of Financial Management.

Under Graduate Level :

(1) BBA- Bachelor of Business administration;

(2) BCA- Bachelor of Computer Applications; and,

(3) BSc (IT).

√ The Institute has been include under Section- 2(f) as well as under Section- 12 B of the UGC Act, 1956 for getting Central assistance under the provisions of the Act.

√ Rs. 7600000 sanctioned by UGC for construction of a separate Girls' Hostel at the campus;

√ Personality Development sessions to commence from 8th April for grooming the students to meet the challenges of placement in this current scenario;

√ Renovation work has been taken up to make the infrastructure of this Institute at par with any premier institute;

√ Workshops, Seminars and Symposia have been planned as a regular feature at this campus;

√ Attempts being made to revise the course structure of all the existing courses being conducted here in order to explorde the employment potential of our students;

√ Academic Collaboration with International School of Business, Hyderabad has been expedited in order to make this Campus-World Class;

√ Exerting for getting another campus - 2- Bailey Road for making this Campus more viable.